

अब 'वंदे मातरम्' का अपमान होगा अपराध

राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद कानून हुआ लागू

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' का अपमान करना अब अपराध माना जाएगा। लोकसभा और राज्यसभा से 'वंदे मातरम् बिल' को मंजूरी मिलने के बाद आज मंगलवार, 11 अगस्त को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी इस विधेयक को मंजूरी दे दी है, जिससे अब यह कानून बन गया है।

इस कानून के लागू होने से राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' को जानबूझकर गाने से रोकना या उसमें बाधा डालना अपराध माना जाएगा। इस बिल से इसे वही कानूनी सुरक्षा मिलेगी जो अभी राष्ट्रीय



गान को मिलती है। राष्ट्रपति की मंजूरी के साथ ही, राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) बिल, 2026 अब कानून बन गया है। यह कानून 'वंदे मातरम्' को राष्ट्रीय गान 'जन गण मन' के बराबर का दर्जा देता है।

राज्यसभा ने इस बिल को 29 जुलाई को मंजूरी दी थी। वहीं लोकसभा में यह बिल 30 जुलाई को पास हुआ था। अब राष्ट्रपति ने भी इस विधेयक को मंजूरी दे दी है, जिससे अब यह विधेयक, कानून बन गया है।

अरुणाचल भारत का अभिन्न अंग, इस सच को कोई नहीं बदल सकता

विदेश मंत्रालय ने चीन के दावों पर साफ किया अपना रुख

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में विदेश मंत्रालय ने बांग्लादेश और अरुणाचल प्रदेश से जुड़े दो अहम मुद्दों पर भारत का रुख स्पष्ट किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि भारतीय दूत दिनेश त्रिवेदी ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री रहमान से मुलाकात की। भारत ने उन्हें द्विपक्षीय यात्रा के साथ-साथ दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स आउटरीच सत्र के लिए भी आमंत्रित किया है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि भारत की ओर से बांग्लादेश के प्रधानमंत्री को द्विपक्षीय यात्रा के लिए आमंत्रित किया गया है। इसके अलावा उन्हें दिल्ली में आयोजित होने वाले ब्रिक्स आउटरीच सत्र में शामिल होने का न्योता भी दिया गया है। जायसवाल ने कहा कि इस मामले से जुड़ी आगे की जानकारी समय-समय पर साझा की जाएगी।



सीमा शांति सबसे अहम

दिल्ली में मीडिया ब्रीफिंग के दौरान विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने भारत-चीन सीमा संबंधी मामलों पर भारत का रुख स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता बनाए रखना बेहद महत्वपूर्ण है। भारत ने यह भी स्पष्ट किया है कि सीमा की स्थिति का असर दोनों देशों के व्यापक द्विपक्षीय संबंधों पर पड़ता है। चीन की ओर से अरुणाचल प्रदेश को लेकर आई प्रतिक्रिया पर पूछे गए सवाल के जवाब में रणधीर जायसवाल ने भारत की स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक में लिये कई निर्णय

भोपाल-विदिशा फोरलेन को दी मंजूरी, खर्च होंगे 1757 करोड़

● भोपाल मेट्रो-पोलिटिन क्षेत्र विकास के लिए मंत्रि-परिषद की ठोस पहल ● 44.83 किमी मार्ग होगा 4-लेन, तीन बायपास बनेंगे ● भोपाल बायपास को 6 लेन बनाने के दृष्टिगत उपभोक्ता शुल्क संग्रहण 2031 तक बढ़ाने की स्वीकृति ● कृषि विश्वविद्यालय के निरंतर संचालन के लिए 795 करोड़ 59 लाख रुपये की स्वीकृति

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय में मंत्रि-परिषद की बैठक संपन्न हुई। मंत्रि-परिषद ने भोपाल को मेट्रोपोलिटन क्षेत्र के रूप में विकसित करने की दिशा में ठोस पहल करते हुए भोपाल-विदिशा मार्ग के 2-लेन से 4-लेन उन्नयन एवं निर्माण के लिए 1757.57 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी है। इस मार्ग के निर्माण से तेजी से औद्योगिक निवेश बढ़ेगा और अधोसंरचना का भी व्यवस्थित विकास हो पायेगा। सांची स्तूप और कर्क रेखा जैसे प्रमुख स्थलों से गुजरने वाला यह मार्ग प्रादेशिक कनेक्टिविटी को नई मजबूती देगा। मंत्रि-परिषद ने भोपाल बासपास को 6-लेन बनाने के दृष्टिगत भोपाल बायपास- टोल टैक्स शुल्क संग्रहण की अनुमति 2031 तक बढ़ाने की



मंजूरी दी है। एक अन्य महत्वपूर्ण निर्णय में मंत्रि-परिषद ने स्थानीय मजदूरों और क्षेत्र के रहवासियों को लाभांश वितरण के लिए वन विभाग द्वारा संचालित संयुक्त वन प्रबंध समितियों को लाभांश का प्रदाय योजना के तहत

सीहोर जिले की इछवर तहसील के गांव भाउखेड़ी में 20 हेक्टेयर भूमि स्थायी पट्टे पर आवंटित किये जाने का निर्णय लिया है। प्रदेश के सर्वांगीण विकास, जन-स्वास्थ्य सुदृढीकरण, बुनियादी ढांचे के विस्तार और महिला सशक्तिकरण को गति देने के लिए 47 हजार 990 करोड़ रुपये के प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की है। इसमें राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के लिए 28,083.47 करोड़ रुपये और आयुष्मान भारत योजना के लिए 12 हजार 123 करोड़ 81 लाख रुपये शामिल हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय में आयोजित कैबिनेट बैठक में भोपाल-विदिशा मार्ग को फोरलेन करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई। हाइब्रिड एन्युटी मॉडल पर बनने वाली इस परियोजना

तीन बायपास भी बनेंगे

परियोजना में कुल 8.25 किलोमीटर लंबाई के तीन बायपास बनाए जाने प्रस्तावित हैं। इससे आबादी वाले क्षेत्रों में वाहनों का दबाव कम होगा और सड़क दुर्घटनाओं की आशंका भी घटेगी। परियोजना की लागत पहले 1467.42 करोड़ रुपए स्वीकृत हुई थी। बाद में यह बढ़कर 1617.04 करोड़ रुपए हुई। ग्रामीण क्षेत्र में कृषि भूमि अधिग्रहण के लिए करीब 140 करोड़ रुपए अतिरिक्त लगने के बाद कुल लागत 1757.55 करोड़ रुपए हो गई।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में अतिवृष्टि, जलभराव और बाढ़ की स्थिति का लिया जायज़ा

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राज्य आपदा कमान एवं नियंत्रण केंद्र के सिचुएशन रूम पहुंचकर प्रदेश में अतिवृष्टि, जलभराव और बाढ़ की स्थिति का जायज़ा लिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर जल भराव और बाढ़ की स्थिति से लोगों को बचाने के लिए चलाए गए रेस्क्यू ऑपरेशन की जानकारी ली तथा प्रभावितों और रेस्क्यू ऑपरेशन में लगे कर्मचारियों और स्थानीय जन से वरुअली संवाद किया। सिचुएशन रूम में अपर मुख्य सचिव गृह श्री संजय शुक्ला, पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना, निदेशक होमगार्ड श्रीमती प्रज्ञा रिचा उपस्थित थी। मुख्यमंत्री ने एसडीआरएफ, पुलिस, होमगार्ड, स्थानीय जन की पहल को सराहा- मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि एसडीआरएफ, पुलिस और होमगार्ड की त्वरित कार्यवाही के परिणाम स्वरूप 527 लोगों की जान बचाई जा सकी।



मप्र में भी प्रतिबंधित होगा एनालॉग पनीर, स्वास्थ्य राज्यमंत्री पटेल की घोषणा

इंदौर। मप्र के स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने एनालॉग पनीर को लेकर अहम घोषणा की है। मंत्री ने इंदौर में कहा कि मप्र में भी जल्द एनालॉग पनीर की बिक्री को प्रतिबंधित किया जाएगा। पड़ोसी राज्य पहले ही इसे प्रतिबंधित कर चुके हैं। मंगलवार, 11 अगस्त को वे इंदौर में घी मर्चेट एसोसिएशन व अन्य व्यापारियों के साथ बैठक करने के लिए आए थे। बैठक के बाद मीडिया से चर्चा में उन्होंने इस संबंध में जानकारी दी।

यह बोले मंत्री पटेल- मंत्री ने कहा कि त्योहार का समय है और ऐसे में दूध उत्पादों की मांग बढ़ जाती है। इसे देखते हुए अभियान चल रहा है और जांच की जा रही है। इसी अभियान के तहत मप्र में जल्द ही एनालॉग पनीर को प्रतिबंधित किया जाएगा। पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ व गुजरात इसे पहले ही



प्रतिबंधित कर चुके हैं। सामान्य उपभोक्ताओं को असली और एनालॉग पनीर में अंतर नहीं पता होता है। हालांकि नियम है कि उपभोक्ता को इसके बारे में बताया जाए, लेकिन ऐसा होता नहीं है। इसलिए जल्द ही मप्र में इसे प्रतिबंधित किया जाएगा।

क्या होता है एनालॉग पनीर?- मूल पनीर दूध से बनता है, लेकिन एनालॉग पनीर दूध से नहीं बनता। बल्कि यह वनस्पति तेल, जैसे पाम ऑयल, स्किमड मिल्क पाउडर,

स्टार्च और इमल्सीफायर से तैयार एक नॉन-डेयरी या सिंथेटिक उत्पाद है। इसकी बिक्री क्या अवैध है?- एफएसएसआई के नियम के अनुसार उपभोक्ता को इसके बारे में बताना जरूरी है। बिना इसकी जानकारी दिए बेचना धोखाधड़ी है। कई राज्यों ने इसे प्रतिबंधित कर दिया है। इसके बाद इसकी आपूर्ति मप्र में बढ़ गई है। क्या स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है?- एनालॉग पनीर (सिंथेटिक

पनीर) में प्राकृतिक दूध वाले उच्च गुणवत्तायुक्त प्रोटीन और कैल्शियम नहीं होते। इसमें वनस्पति तेल और पाम ऑयल होने के कारण अनेहल्दी फैट और कैलोरी अधिक होती है, जो हृदय और स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह हो सकती है।

क्या है पनीर की पहचान?- असली पनीर गर्म करने पर आसानी से पिघलता नहीं है, जबकि एनालॉग पनीर गर्म करने पर पिघल जाता है और उसका आकार बदल जाता है। एनालॉग पनीर में कृत्रिम चिकनापन और रबर जैसा खिंचाव अधिक हो सकता है।

जल्द इंदौर में शुरू होगी फूड टेस्टिंग लैब- वहीं मंत्री ने कहा कि इंदौर में जो फूड टेस्टिंग लैब है, वह तैयार है। कुछ मंजूरीयां लेना बाकी है और इसी में समय लग रहा है। ये मंजूरीयां होने के बाद यहां अधिकृत तौर पर जांच हो सकेगी।

जनसुनवाई में कटनी पुलिस अधिकारियों ने सुनी आमजन की समस्याएं, त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

नवल किशोर

कटनी। मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार आमजन की शिकायतों के त्वरित निराकरण एवं प्रभावी समाधान हेतु प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई के क्रम में आज दिनांक 11 अगस्त



2026 को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक कटनी श्री अभिनव विश्वकर्मा

के निर्देशन में आमजन की समस्याओं एवं शिकायतों के समाधान हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कमल मौर्य, DSP सुश्री शिवा पाठक, एसडीओपी वि.गढ श्री धीरेन्द्र धार्वे, डीएसपी मुख्यालय श्री रत्नेश मिश्रा ने प्रत्येक आवेदक की समस्या को प्राथमिकता से लेते हुए संबंधित थाना प्रभारी एवं को त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों में मुख्यतः पारिवारिक विवाद, आपसी विवाद, पैसों के लेन-देन से संबंधित मामले, पुलिस द्वारा सुनवाई न होने की शिकायतें, भूमि/प्लॉट संबंधी धोखाधड़ी, महिला अपराध एवं अन्य पुलिस से जुड़ी समस्याएं प्रमुख रूप से सामने आईं। कुछ समस्याएं अन्य विभागों से संबंधित होने पर, आवेदकों को संबंधित विभाग में जाने की समझाइश भी दी गई।

जनसुनवाई में कलेक्टर श्री तिवारी ने सुनी 168 आवेदकों की समस्याएं, अधिकारियों को दिए त्वरित निराकरण के निर्देश

कटनी। जिले के आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मंगलवार को कलेक्टर सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर श्री आशीष तिवारी ने जिले के विभिन्न अंचलों से पहुंचे 168 आवेदकों की समस्याएं पूरी गंभीरता, धैर्य और संवेदनशीलता से सुनीं तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रत्येक प्रकरण का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

इस दौरान जिला पंचायत सीईओ हरसिमरनप्रीत कौर, अपर कलेक्टर श्री नीलांबर मिश्रा, एसडीएम कटनी श्री प्रमोद चतुर्वेदी सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे। जनसुनवाई में राजस्व विभाग के अंतर्गत भूमि विवाद, सीमांकन, नामांतरण, भूमि आवंटन, अतिक्रमण हटाने, नक्शा सुधार से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। वहीं शिक्षा विभाग के अंतर्गत मध्याह्न भोजन बनाने के लिए



नियुक्ति एवं रसोईया के रूप में रखे जाने संबंधी आवेदन प्राप्त हुए। इसी प्रकार आबकारी विभाग अंतर्गत शराब कलारी को बंद कराने, महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत लाइली बहना योजना की राशि दिलाने, खाद्य विभाग के अंतर्गत खाद्यान्न पच्ची एवं जॉब कार्ड बनवाने, लोक सेवा विभाग अंतर्गत समग्र परिवार आईडी

में परिवार का नाम जुड़वाने, पीएम आवास योजना की नई सूची में नाम जुड़वाने व पीएम जीवन ज्योति बीमा क्लेम की राशि दिलवाने सहित विभिन्न विभागों से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर श्री तिवारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक आवेदन का तथ्यों के आधार पर परीक्षण कर प्राथमिकता से कार्रवाई की जाए।

तुकईथड़ पहुंचे कांवड़िए, हर-हर महादेव के जयघोष से गुंजा महादेव मंदिर

कांवड़ में नर्मदा जल, जुबां पर भोलेनाथ का नाम; तुकईथड़ में उमड़ा शिवभक्ति का सैलाब

महेन्द्र मालवीय रणजीत टाइम्स

बुरहानपुर। सावन के पावन अवसर पर शिवभक्ति और आस्था का अद्भुत नजारा तुकईथड़ में देखने को मिला। ओंकारेश्वर के पवित्र नर्मदा तट से कांवड़ में नर्मदा जल लेकर पैदल निकले शिवभक्तों का दल तुकईथड़ पहुंचा। कांवड़ियों के पहुंचते ही पूरा क्षेत्र 'हर-हर महादेव' और 'जय शिव शंभू' के जयघोष से गुंजायमान हो उठा। कांवड़ियों ने तुकईथड़ स्थित महादेव मंदिर में भगवान शिव का पवित्र नर्मदा जल से जलाभिषेक कर विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया।

ओंकारेश्वर से पैदल निकले शिवभक्त- कांवड़ यात्रा की शुरुआत ओंकारेश्वर स्थित पवित्र नर्मदा तट से हुई। कांवड़ में नर्मदा जल लेकर शिवभक्तों का दल पैदल यात्रा करते हुए तुकईथड़ पहुंचा। यात्रा के दौरान कांवड़िए लगातार भगवान शिव के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़ते रहे। हाथों में कांवड़ और मुख पर भोलेनाथ का नाम लिए श्रद्धालुओं ने पूरी



यात्रा को भक्तिमय बना दिया। ग्रामीणों ने पुष्पवर्षा कर किया स्वागत- कांवड़ यात्रा के तुकईथड़ पहुंचने पर ग्रामीणों और स्थानीय शिवभक्तों ने कांवड़ियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। ग्रामीणों ने पुष्पवर्षा कर श्रद्धालुओं का अभिनंदन किया। ढोल-नगाड़ों और भगवान शिव के जयकारों से मंदिर परिसर सहित पूरा गांव भक्तिमय नजर आया।

नर्मदा जल से किया भगवान शिव का जलाभिषेक- तुकईथड़ स्थित महादेव मंदिर पहुंचने के बाद कांवड़ियों ने ओंकारेश्वर से लाए पवित्र नर्मदा जल से भगवान शिव का जलाभिषेक किया। इसके बाद विशेष पूजन-अर्चन एवं

महाआरती का आयोजन किया गया। महाआरती में बड़ी संख्या में ग्रामीण और शिवभक्त शामिल हुए तथा क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। कांवड़ यात्रा में युवाओं की विशेष भागीदारी रही। श्रद्धालुओं ने कहा कि ओंकारेश्वर से नर्मदा जल लाकर भगवान शिव का जलाभिषेक करना आस्था और समर्पण का प्रतीक है। ऐसी धार्मिक यात्राओं से युवाओं में सनातन संस्कृति, धार्मिक परंपराओं और भगवान शिव के प्रति श्रद्धा को बढ़ावा मिलता है। मये कांवड़िए रहे शामिल- कांवड़ यात्रा में संदीप पटेल हिमांशु पांडे, महेन्द्र मालवीय, आकाश भालेराव कालू, भालेराव, अनुराग तिवारी, आयुष पाल, वंस ठाकुर, ऋतिक वानखेड़े, तरुण सोनी, मोहित यादव छोटू मिश्रा, बाबू बंगाली, आयुष, वंश ठाकुर, कुणाल ठाकुर, ऋतिक वानखेड़े सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं शिवभक्त शामिल हुए। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला।

मिलन समारोह संपन्न



विप्र सेना (महिला समिति) इंदौर ने स्नेह स्वीट्स कालानी नगर एयरपोर्ट रोड पर राष्ट्रीय स्तर की पदाधिकारियों का स्वागत तथा मिलन समारोह आयोजित किया। इस समारोह में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीमती रश्मि अवस्थी जी, प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती अपेक्षा शर्मा जी, प्रदेश प्रभारी श्रीमती मधु मंडलोई जी एवं प्रदेश महामंत्री श्रीमती सरिता तिवारी जी इत्यादि मातृशक्ति उपस्थित रहीं। प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. रजनी पांडेय ने बताया कि सभी पदाधिकारियों ने

विप्र सेना की गतिविधियों एवं कार्यों पर प्रकाश डाला। एकता एवं अखंडता का संदेश दिया। साथ ही इंदौर जिला अध्यक्ष की नियुक्ति भी की। नवनिर्वाचित डॉक्टर पंकज तिवारी जी को समस्त महिला समिति ने अनेकानेक बधाईयां प्रेषित की। महामंत्री सरिता तिवारी जी ने आमंत्रित अतिथियों का स्वागत कर उन्हें उपहार दिये तथा श्रावण मास के दान पुण्य की महत्ता को देखते हुए महिलाओं को सुहाग सामग्री वितरित की। आभार पंकजा तिवारी जी ने माना।

महापौर जनसुनवाई में नागरिकों ने रखी अपनी समस्याएं, महापौर ने अधिकारियों को दिए त्वरित निराकरण के निर्देश

कटनी। नागरिकों की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ सुनने और उनके निराकरण के लिए नगर पालिक निगम कटनी में मंगलवार को महापौर जनसुनवाई आयोजित की गई। शहर के विभिन्न वार्डों से पहुंचे नागरिकों ने महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरि के समक्ष अपनी समस्याएं एवं आवेदन प्रस्तुत किए। जनसुनवाई में पेयजल, सड़क, नाली, स्वच्छता, अतिक्रमण, राजस्व सहित विभिन्न नागरिक सुविधाओं से

जुड़े प्रकरण सामने आए। महापौर ने नागरिकों की बात गंभीरता से सुनी और संबंधित अधिकारियों से प्रत्येक प्रकरण की स्थिति की जानकारी लेते हुए आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। जवाबदेही तय करने के लिए निर्देश- महापौर श्रीमती सूरि ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों को प्राथमिकता से लेते हुए निर्धारित समयसीमा में उनका



निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकरण को

अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए और कार्रवाई के बाद आवेदक को इसकी जानकारी भी उपलब्ध कराई जाए। विभागीय अधिकारियों की मौजूदगी से हुआ त्वरित समन्वय- जनसुनवाई के दौरान नगर निगम के संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इससे नागरिकों की समस्याओं को संबंधित विभाग तक तत्काल पहुंचाने और आवश्यक

कार्रवाई के लिए समन्वय स्थापित करने में सुविधा हुई। कई प्रकरणों में मौके पर ही अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। महापौर ने कहा कि नागरिकों की समस्याओं का समाधान और उन्हें बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना नगर निगम की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों से जनसुनवाई में प्राप्त प्रकरणों की नियमित समीक्षा करते हुए प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इंदौर से 2,800 किमी दूर असम में मध्यप्रदेश एनजीओ महासंघ का सेवाकार्य जारी

खुशबू श्रीवास्तव

बाढ़ प्रभावित इलाकों में घर-घर सर्वे, जरूरतमंद परिवारों को 2,500 की आर्थिक मदद और राहत सामग्री

असम। इंदौर से करीब 2,800 किलोमीटर दूर असम में बाढ़ से प्रभावित परिवारों की मदद के लिए मध्यप्रदेश एनजीओ महासंघ का सेवाकार्य लगातार जारी है। महासंघ की टीम जौहर एवं आसपास के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर घर-घर सर्वे कर रही है और वास्तविक जरूरतमंद परिवारों तक सीधे राहत पहुंचाने का प्रयास कर रही है। महासंघ के फाउंडर एवं अध्यक्ष श्री शशि सातपुते पिछले पांच दिनों से लगातार असम में मौजूद हैं। वे स्वयं बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर प्रभावित परिवारों की स्थिति और उनकी जरूरतों का जायजा ले रहे हैं। सर्वे के आधार पर जरूरतमंद परिवारों को 2,500 तक की आर्थिक सहायता, राशन और दैनिक उपयोग की आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है।

ग्राउंड पर पहुंचकर हो रहा सर्वे

महासंघ की टीम का कहना है कि राहत सामग्री वितरण के साथ यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि सहायता वास्तविक रूप से प्रभावित परिवारों तक पहुंचे। इसके लिए टीम प्रभावित क्षेत्रों में जाकर परिवारों की आवश्यकताओं की जानकारी जुटा रही है और उसी के अनुरूप



सहायता उपलब्ध करा रही है।

सामाजिक संस्थाओं और समाजसेवियों का सहयोग

इस सेवाकार्य में मध्यप्रदेश एनजीओ महासंघ के संरक्षक श्री योगेंद्र महंत, श्री संतोष मीणा, राधे-राधे जनसेवा फाउंडेशन, श्री राहुल जैन, श्री रूपेंद्र जैन, दादा राजेश बेडकर, रुचि जी, रवींद्र जी, श्रेयांश जैन, श्री नरेश लश्करी (पिटू भैया) सहित विभिन्न सामाजिक संस्थाओं, समाजसेवियों और सहयोगकर्ताओं का महत्वपूर्ण योगदान मिल रहा है।

‘सेवा की कोई सीमा नहीं’

मध्यप्रदेश एनजीओ महासंघ का कहना है कि सेवा की कोई सीमा नहीं होती। इंदौर से

हजारों किलोमीटर दूर असम में आई बाढ़ के बीच भी मध्यप्रदेश के सेवाभावी लोग प्रभावित परिवारों के साथ खड़े हैं। महासंघ के अनुसार, 2 लाख से अधिक परिवार बाढ़ से प्रभावित हुए हैं, ऐसे में जरूरतमंद परिवारों तक राहत पहुंचाना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

सामाजिक संस्थाओं और उद्योगपतियों से सहयोग की अपील

महासंघ ने देशभर की सामाजिक संस्थाओं, स्वयंसेवी संगठनों, उद्योगपतियों, व्यापारिक संस्थानों और समाजसेवियों से अपील की है कि वे असम के कम से कम एक बाढ़ प्रभावित परिवार की जिम्मेदारी लेकर उसकी आवश्यकता के अनुसार सहायता उपलब्ध कराने में सहयोग करें। महासंघ के फाउंडर एवं अध्यक्ष शशि सातपुते ने कहा कि हमारा उद्देश्य केवल राहत सामग्री बांटना नहीं, बल्कि बाढ़ प्रभावित परिवारों तक स्वयं पहुंचकर उनकी वास्तविक जरूरत को समझना और उसी के अनुसार सहयोग करना है।

इंदौर से 2,800 किलोमीटर दूर आकर भी टीम मानवता की सेवा के संकल्प के साथ लगातार कार्य कर रही है और जब तक संभव होगा, प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी रहेगी।

मध्यप्रदेश एनजीओ महासंघ मानवता की सेवा। जरूरतमंद परिवारों के साथ

14 अगस्त को सुबह 6 बजे होगी 8 किमी मैराथन, विधायक पुत्र राकेश लोधी करेंगे आयोजन



अतुल जैन

खनियांधाना। पिछोर विधायक प्रीतम सिंह लोधी के पुत्र राकेश लोधी अपने जन्मदिन के अवसर पर 14 अगस्त को 8 किलोमीटर की मैराथन दौड़ का आयोजन करने जा रहे हैं। इसकी जानकारी उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दी। राकेश लोधी ने बताया कि पिछले वर्ष भी मैराथन आयोजित करने की योजना थी, लेकिन उनके चाचा के निधन के कारण आयोजन रद्द करना पड़ा था। इस बार 15 अगस्त से एक दिन पहले 14 अगस्त को मैराथन आयोजित की जा रही है। मैराथन सुबह 6 बजे राजनगर तिराहा, ग्राम चमरुआ से शुरू होगी और खनियांधाना बस स्टैंड पर इसका समापन होगा। दौड़ में छात्र-छात्राओं सहित किसी भी उम्र के लोग भाग ले सकेंगे। आयोजकों के अनुसार करीब 150 से 200 पुरुष और 20 से 25 महिलाएं इसमें शामिल होंगी। आयोजक राकेश लोधी ने बताया कि मैराथन का मुख्य उद्देश्य लोगों को स्वस्थ रहने, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना है।

पत्रकार राजेश धाकड़ को विशेष सम्मान, ‘आदित्य’ के पत्रकार एवं प्रतिभा सम्मान समारोह में जुटी शहर की प्रमुख हस्तियां

इंदौर। सामाजिक संस्था “आदित्य” के तत्वावधान में संस्था का दसवां भव्य पत्रकार एवं प्रतिभा सम्मान समारोह धार रोड स्थित कीमती गार्डन में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह में पत्रकारिता, समाजसेवा, कला और संस्कृति के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में मध्यप्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता इंदौर महापौर पुष्पमित्र भार्गव एवं उनकी धर्मपत्नी



जूही भार्गव ने की।

विशिष्ट अतिथि के रूप में उज्जैन प्रेस क्लब अध्यक्ष नंदलाल यादव ‘नंदू भैया’ मौजूद रहे। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण महाकाल मंदिर के प्रमुख पुजारी पंडित रमण त्रिवेदी रहे, जो फिल्म ‘परदेसी बाबू’ में गोविंदा और शिल्पा शेड्डी के साथ अभिनय भी कर चुके हैं।

पत्रकार राजेश धाकड़ को विशेष सम्मान- समारोह में वरिष्ठ एवं सदैव फील्ड में सक्रिय रहने वाले पत्रकार राजेश धाकड़ को पत्रकारिता के क्षेत्र

में निरंतर सक्रियता, हर खबर पर पैनी नजर और जनहित से जुड़ी खबरों को प्रमुखता से सामने लाने के लिए प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर विशेष रूप से सम्मानित किया गया। उन्हें संस्था की ओर से ‘आदित्य की आवाज’ समाचार पत्र के माध्यम से विशेष सम्मान प्रदान किया गया। इस अवसर पर पत्रकार विनोद निगम, अमर गोमे, सुरेश वर्मा सहित अन्य पत्रकारों को भी अतिथियों द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

वरिष्ठ पत्रकारों एवं समाजसेवियों

का सम्मान- समारोह में वरिष्ठ पत्रकार ओमप्रकाश फरक्या, गिरीश कोपरगांवकर एवं नवभारत के पंवार साहब को विशेष सम्मान दिया गया। संस्था “आदित्य” के संयोजक एवं पत्रकार सचिन नीमा ने बताया कि सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने वाले युवा समाजसेवी एवं वरिष्ठ पत्रकार महावीर जैन का इस अवसर पर नागरिक अभिनंदन किया गया। भोपाल से पथारी दूरदर्शन की प्रमुख न्यूज एंकर एवं पत्रकार सुमिता सिरोठिया तथा टीवी अभिनेत्री राशिका नीमा को ‘एमपी वूमंस प्राइड अवार्ड’ से सम्मानित किया गया।

मुंबई से आई बॉलीवुड मिस्टर एंड मिसेस इंडिया अवार्ड विजेता सुमन त्रिपाठी को ‘स्पेशल गेस्ट अवार्ड’ प्रदान किया गया। वहीं रचना महंत को ‘बिजनेस वूमन अवार्ड’ से नवाजा गया। साड़ी कल्चर के क्षेत्र में कार्य कर रही सुनीला दुबे एवं समाजसेवी किरण बाफना को भी सम्मानित किया गया। आयोजन में रेणु सोलंकी, ज्योति नामदेव एवं साधना सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां- कार्यक्रम के दौरान नन्हे-मुन्हे बच्चों ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। टैलेंट शो में कलाकारों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। भारतीय सेना से सेवानिवृत्त सैनिक जितेंद्र मोर्य को राष्ट्र सेवा के लिए विशेष रूप से पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों ने पत्रकारों को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ बताते हुए कहा कि पत्रकार समाज और शासन के बीच महत्वपूर्ण कड़ी हैं। उन्होंने पत्रकारों से निष्पक्ष, सच्ची एवं जागरूक खबरों के माध्यम से समाज में जनजागरण की मुहिम को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। साथ ही सामाजिक समरसता और सकारात्मक पत्रकारिता को बढ़ावा देने का संदेश दिया। समारोह को सफल बनाने में रूपेश वर्मा, प्रवीण मोर्य, उमेश पांडे, सुरेश वर्मा, दिलीप मोर्य, नीलेश वर्मा, सोनू मालवीय सहित संस्था के सदस्यों का विशेष सहयोग रहा। अंत में सत्यनारायण मंडोवरा ने सभी अतिथियों, पत्रकारों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

सहजयोग ध्यान 'ममकार' से मुक्ति और आत्मज्ञान का सूक्ष्म मार्ग प्रदान करता है

“धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः।

मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सञ्जय॥”

भगवद्गीता के प्रथम अध्याय का यह प्रथम श्लोक जीवन के भीतर चलने वाले शुभ और अशुभ के संघर्ष की ओर संकेत करता है। परमपूज्य श्रीमाताजी निर्मला देवी द्वारा प्रतिपादित सहजयोग के अनुसार, आत्मबोध और आत्मज्ञान की प्राप्ति ही इस आंतरिक संघर्ष को समझने और जीवन को सही दिशा देने का महत्वपूर्ण माध्यम है। सहजयोग में आत्मसाक्षात्कार के माध्यम से व्यक्ति अपने भीतर स्थित आत्मतत्त्व का अनुभव करता है। यही आत्मतत्त्व हमारे जीवन में क्या उचित है और क्या अनुचित, इसका सूक्ष्म बोध प्रदान करता है। भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने भी अर्जुन को आत्मज्ञान और स्वधर्म में स्थित होने का मार्ग दिखाया।

कुरुक्षेत्र-कर्मभूमि का प्रतीक

इस श्लोक में वर्णित 'कुरुक्षेत्र' को कर्म करने की भूमि के रूप में समझा जा सकता है। हमारा दैनिक जीवन भी एक कर्मभूमि है, जहाँ हमें

अनेक भूमिकाएँ निभानी होती हैं।

परिवार, समाज और कार्यक्षेत्र में अपने दायित्वों का ईमानदारी एवं कर्तव्यनिष्ठा से निर्वहन करना ही जीवन का धर्म है। यहाँ 'धर्म' का अर्थ केवल किसी बाहरी धार्मिक पहचान से नहीं है। मानवता धर्म, राजधर्म, प्रजाधर्म, पति-पत्नी धर्म, पुत्रधर्म, गुरु अथवा आचार्य धर्म—जीवन में हमारी विभिन्न भूमिकाओं के अनुरूप अपने कर्तव्यों को उचित प्रकार से निभाना भी धर्म का ही स्वरूप है। प्रश्न यह उठता है कि हमें कौन-सा कर्म करना चाहिए और कौन-सा कर्म त्याग देना चाहिए? सहजयोग में जब मनुष्य का आत्मतत्त्व जागृत होता है, तब उसके भीतर सही और गलत को पहचानने की सूक्ष्म विवेकशक्ति विकसित होती है। आत्मज्ञान के प्रकाश में व्यक्ति अपने जीवन के निर्णय अधिक स्पष्टता से ले सकता है।

'मामकाः' और ममकार का सूक्ष्म अर्थ



भगवद्गीता के इस श्लोक में 'मामकाः' शब्द विशेष ध्यान आकर्षित करता है। सहजयोग की व्याख्या में इसे 'ममकार', अर्थात् 'मेरा-मेरा' करने वाली वृत्ति के रूप में देखा जाता है। राजा धृतराष्ट्र का अपने पुत्र दुर्योधन के प्रति अंधा मोह इस ममकार का उदाहरण माना जाता है। अत्यधिक आसक्ति और मोह व्यक्ति के विवेक को प्रभावित कर सकते हैं और उसकी आध्यात्मिक उन्नति में बाधा उत्पन्न कर सकते हैं। इसके विपरीत, 'पाण्डव' शब्द को पाण्डु से जोड़ते हुए शुभ, निर्मल और पवित्र प्रवृत्तियों का प्रतीक माना जा सकता है। इस प्रकार हमारे भीतर भी शुभ और अशुभ प्रवृत्तियों के बीच निरंतर एक सूक्ष्म संघर्ष चलता रहता है।

अहंकार और अति-मोह से मुक्ति का मार्ग

सहजयोग ध्यान के माध्यम से व्यक्ति अपने

भीतर चलने वाली इन प्रवृत्तियों को समझने का प्रयास करता है। आत्मसाक्षात्कार के पश्चात साधक यह अनुभव कर सकता है कि उसके भीतर कौन-सी प्रवृत्ति उसे संतुलन, शांति और धर्म की ओर ले जा रही है तथा कौन-सी प्रवृत्ति उसके आध्यात्मिक विकास में बाधा बन रही है। विशेष रूप से आज्ञाचक्र से जुड़े अहंकार और अति-मोह जैसी प्रवृत्तियों को संतुलित करने के लिए नियमित ध्यान को महत्वपूर्ण माना जाता है। ध्यान के माध्यम से मन को शांत व अंतर्मुखी बनाकर व्यक्तित्व अपने भीतर के सूक्ष्मज्ञान व आनंद का अनुभव प्राप्त करता है।

सहजयोग का उद्देश्य किसी बाहरी पहचान को बदलना नहीं, बल्कि मनुष्य को अपने भीतर स्थित आत्मतत्त्व से जोड़ना और जीवन में संतुलन, विवेक एवं आंतरिक शांति का अनुभव कराना है। नियमित सहजयोग ध्यान की इस यात्रा से जुड़ने के लिए अधिक जानकारी टोल-फ्री नंबर: 1800 2700 800 या www.sahajayoga.org.in से प्राप्त कर सकते हैं।

कौन है देश का सच्चा सेवक?

कौन है देश का सच्चा सेवक,
कौन है सच्चा योद्धा?
आज वतन से पूछ रहा हूँ—
भारत का रखवाला कौन?

वो जवान,
जो बर्फीली रातों में जागता है,
अपना घर-परिवार छोड़कर
सरहद पर तिरंगा संभालता है।
जिसके लिए अपनी साँसों से पहले
देश की आन होती है—
क्या वही सच्चा योद्धा है?

या वो किसान,
जो मिट्टी में पसीना बहाता है,
खुद धूप में जलकर भी
पूरे देश का पेट भरता है।
जिसके हाथों की मेहनत से
हर घर में रोटी आती है—
क्या वही सच्चा सेवक है?

या वो नेता,
जिसके कंधों पर देश चलाने की
जिम्मेदारी है,
जिसकी नीयत में जनता
और फैसलों में राष्ट्रहित होना चाहिए।
जो कुर्सी को सत्ता नहीं,
सेवा का अवसर समझे—
क्या वही सच्चा सेवक है?
या फिर वो युवा,
जिसकी आँखों में नया भारत है,
जिसके हाथों में हुनर
और दिल में हिंदुस्तान है।
जो आज मेहनत करेगा,
वही कल देश की तकदीर लिखेगा—
क्या वही सच्चा योद्धा है?

मैं कहता हूँ—

इनमें से कोई एक नहीं,
ये चारों ही भारत की ताकत हैं।

जवान देश की ढाल है,
किसान देश की जान है,
ईमानदार नेता देश की दिशा है,
और युवा देश का भविष्य है।
सच्चा सेवक वह है,
जो अपने हिस्से का फर्ज निभाता है।
जो देश से पूछता नहीं—
“मुझे क्या मिला?”
बल्कि खुद से पूछता है—
“मैंने देश को क्या दिया?”

ना वर्दी अकेली सेवा की पहचान है,
ना कुर्सी अकेली सम्मान की हकदार है।
जिसके दिल में राष्ट्र पहले है,
वही भारत का सच्चा पहरदार है।

किसान का पसीना हो,

जवान का बलिदान हो,
युवा की मेहनत हो,
या नेतृत्व का ईमान हो—

जब सबका एक ही संकल्प हो—
“मैं नहीं, मेरा देश पहले!”

तभी भारत महान है,
तभी तिरंगे की शान है।
जो जिए तो देश के लिए,
जो लड़े तो देश के लिए,
जो मेहनत करे तो देश के लिए—
वही सच्चा सेवक,
वही सच्चा योद्धा,
वही सच्चा हिंदुस्तानी है।

कवि गोपाल गावंडे



इंदौर के 180 किसानों को जल्द मिलेगी सोयाबीन भावांतर की राशि

खुशबू श्रीवास्तव

इंदौर। किसान हित में मध्यप्रदेश शासन द्वारा संचालित सोयाबीन भावांतर भुगतान योजना के तहत इंदौर जिले के करीब 180 पंजीकृत किसानों की अटकी भावांतर राशि का जल्द भुगतान किया जाएगा। किसानों के खातों में शासन द्वारा राशि तीन से चार बार से अधिक स्थानांतरित किए जाने के बावजूद कुछ किसानों को भुगतान प्राप्त नहीं हो सका है। मध्यप्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड भोपाल के प्रबंध संचालक सह आयुक्त श्री

कुमार पुरुषोत्तम के कार्यालयीन पत्र क्रमांक 1226, दिनांक 3 अगस्त 2026 के माध्यम से इस संबंध में जानकारी दी गई है। किसान हित को ध्यान में रखते हुए प्रदेशभर में भावांतर योजना की राशि का भुगतान जिला स्तर पर सुनिश्चित किया जा रहा है। इसी क्रम में इंदौर में गठित जिला स्तरीय समिति द्वारा किसानों की बैंक संबंधी समस्याओं का स्थानीय स्तर पर निराकरण कर शेष किसानों को भावांतर राशि उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू की गई है। कलेक्टर ने

अधिकारियों को दिए जल्द भुगतान के निर्देश- इंदौर कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने जिला स्तरीय समिति के सदस्यों को निर्देश दिए हैं कि किसानों की बैंक संबंधी परेशानियों का शीघ्र निराकरण करते हुए उन्हें भावांतर योजना की राशि उपलब्ध कराई जाए। किसानों से दस्तावेज उपलब्ध कराने की अपील- जिला नोडल मंडी सचिव श्री ओ.पी. खेड़े ने किसान भाइयों से अपील की है कि जिस मंडी में उन्होंने भावांतर योजना के अंतर्गत सोयाबीन का विक्रय किया था।

Bright Future
LEARNING ACADEMY

An Initiative by
RANJEET TIMES GROUP

ADMISSIONS OPEN
2026-27
KG-1 to Class 10

हर बच्चे का उज्ज्वल भविष्य हमारी प्राथमिकता

प्रवेश हेतु संपर्क करें
9827068888

BRIGHT FUTURE LEARNING ACADEMY
An Initiative by **RANJEET TIMES GROUP**

आधुनिक शिक्षा | अनुभवी शिक्षक | सुरक्षित परिसर | सर्वांगीण विकास

उत्कृष्ट प्रतिभा सम्मान समारोह में प्रतिभाओं का सम्मान

विद्यार्थियों को शिक्षा, करियर एवं भविष्य को लेकर मिला प्रेरणादायी मार्गदर्शन



इंदौर। क्षत्रिय लोणारी कुनबी समाज युवा संगठन, जिला इंदौर द्वारा रविवार, 09 अगस्त 2026 को विशाल नगर, कुशवाहा नगर स्थित क्षत्रिय लोणारी कुनबी समाज सांस्कृतिक भवन में उत्कृष्ट प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में समाज के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को शिक्षा, करियर, प्रतियोगी परीक्षाओं, लक्ष्य निर्धारण एवं भविष्य की संभावनाओं को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों एवं प्रबुद्ध अतिथियों द्वारा महत्वपूर्ण एवं प्रेरणादायी मार्गदर्शन दिया गया। वक्ताओं ने विद्यार्थियों को अपनी रुचि एवं क्षमता के अनुसार लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर मेहनत एवं अनुशासन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

समारोह में डॉ. ग्रीष्मा त्रिवेदी जी-राष्ट्रीय फोटोवक्ता, अधिवक्ता श्री बजेंद्र सिंह धाकड़ जी, CID ऑफिसर श्री अनिल गोह जी, थाना प्रभारी श्रीमती राधा यादव जी, क्राइम विभाग से श्री बाली खाकरे जी, आचार्य अंकित त्रिवेदी जी,

श्रीमती स्वाति काशिद जी, डॉ. बलराज झरबड़े जी (MD), डॉ. मीनाक्षी झरबड़े जी, श्री सुनील गीते जी-विद्युत विभाग एवं शिक्षक श्री रवि मालवीय जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। अतिथियों एवं वक्ताओं ने प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ने तथा अपने परिवार, समाज एवं देश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। विद्यार्थियों को करियर की सही दिशा चुनने, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और अपने भविष्य को लेकर गंभीरता से योजना बनाने के संबंध में भी मार्गदर्शन दिया गया। कार्यक्रम में समाज के सम्माननीय वरिष्ठजन, मातृशक्ति, युवा साथी, विद्यार्थी एवं बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे। सभी की उपस्थिति से समारोह का वातावरण उत्साहपूर्ण एवं प्रेरणादायी रहा।

शिक्षा, संस्कार और सामाजिक प्रगति पर जोर- समारोह का उद्देश्य समाज की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना, विद्यार्थियों में शिक्षा एवं करियर के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा युवा पीढ़ी को

आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना रहा। वक्ताओं ने कहा कि समाज की प्रगति में शिक्षा एवं प्रतिभाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रतिभाओं का सम्मान उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करता है और अन्य विद्यार्थियों में भी उत्कृष्टता हासिल करने का उत्साह पैदा करता है। इस अवसर पर समाज की एकता, शिक्षा, संस्कार एवं सामाजिक प्रगति को लेकर भी चर्चा की गई। उपस्थित समाजजनों ने संगठन द्वारा किए जा रहे सामाजिक एवं रचनात्मक कार्यों की सराहना की तथा भविष्य में भी ऐसे आयोजन निरंतर आयोजित करने की बात कही।

संगठन के पदाधिकारी एवं सदस्य रहे उपस्थित- कार्यक्रम में संगठन के संरक्षक मनोज साबले जी, संजय पांसे जी, संदीप कोसे जी, अध्यक्ष जितेन्द्र दवण्डे जी, संगठन प्रभारी मनीष भोपते जी, आकाश देशमुख जी, उपाध्यक्ष कैलाश गव्हाड़े जी, सचिव कमलेश मानकर जी, कोषाध्यक्ष रोहित दवण्डे जी, सह सचिव गुलाब देशमुख जी, महामंत्री रोशन देशमुख जी, मंत्री अरविन्द अडलक जी, निमेष साकरे जी, मीडिया प्रभारी आदित्य खासदेव जी

एवं आईटी सेल नयन पाटनकर जी सहित संगठन के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में संगठन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। आयोजन को सफल बनाने में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग देने वाले सभी अतिथियों, समाजबंधुओं, अभिभावकों, विद्यार्थियों एवं सहयोगियों का भी विशेष योगदान रहा।

हार्दिक आभार- क्षत्रिय लोणारी कुनबी समाज युवा संगठन, जिला इंदौर द्वारा समारोह में पधारे सभी अतिथियों, वरिष्ठजनों, मातृशक्ति, युवाओं, विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं समस्त समाजबंधुओं का हृदय से आभार व्यक्त किया गया। सभी के सहयोग, विश्वास एवं सहभागिता से यह आयोजन सफल एवं यादगार बना। समाज की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने तथा युवा पीढ़ी को शिक्षा एवं करियर के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए ऐसे सामाजिक एवं रचनात्मक प्रयास निरंतर जारी रहेंगे।

क्षत्रिय लोणारी कुनबी समाज युवा संगठन जिला इंदौर (मध्यप्रदेश)

इंदौर आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई, 350 पाव देशी शराब और 40 किलो भांग जब्त



खुशबू श्रीवास्तव

इंदौर। कलेक्टर शिवम वर्मा के आदेश एवं सहायक आयुक्त आबकारी अभिषेक तिवारी के निर्देश और मार्गदर्शन में 9 अगस्त 2026 को संयुक्त इंदौर आबकारी गश्त टीम ने अवैध शराब और भांग के खिलाफ कार्रवाई की। वृत्त पलासिया क्षेत्र की बड़ी ग्वालटोली और विनोबा नगर में टीम ने सुबह कार्रवाई करते हुए दो आवासीय मकानों से देशी मदिरा बरामद की। कार्रवाई के दौरान अजय पिता राम गुलाम के बड़ी ग्वालटोली स्थित

मकान तथा तनु बड़ा सी पत्नी विवेक के विनोबा नगर स्थित मकान से कुल 350 पाव देशी मदिरा जब्त की गई। दोनों मामलों में आरोपियों के खिलाफ मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34 एवं 45 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। इसी क्रम में नगर निगम क्षेत्र की सूतार गली में एक आवासीय मकान में कथित रूप से संचालित की जा रही अवैध भांग फैक्ट्री पर भी संयुक्त टीम ने कार्रवाई की। यहां से 40 किलो भांग और एक भांग पिसाई मशीन जब्त की गई। मामले में आरोपी के खिलाफ

मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया।

आबकारी विभाग के अनुसार, तीनों कार्रवाई में कुल 350 पाव देशी मदिरा, 40 किलो भांग और एक मशीन जब्त की गई, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 1 लाख 55 हजार रुपये बताई गई है। पूरी कार्रवाई सहायक जिला आबकारी अधिकारी, वृत्त पलासिया श्री राघवेंद्र सिंह कुशवाहा के नेतृत्व में संयुक्त आबकारी टीम द्वारा संपन्न की गई।

एक बगिया मां के नाम

पौधों की देखभाल और सुरक्षा हेतु 90 हितग्राहियों को प्रशिक्षित करने जनपद बड़वारा में हुई एक दिवसीय कार्यशाला

कटनी। धरा को हरा भरा रखने एवं पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखने के लिए पौधारोपण करना जितना जरूरी है उससे कहीं ज्यादा आवश्यक उनकी देखभाल और सुरक्षा करना है। इसी अवधारणा को सच साबित करने जिला पंचायत सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर के निर्देश पर जनपद पंचायत बड़वारा में एक बगिया मां के नाम *योजना के अंतर्गत 90 हितग्राहियों को

पौधों की देखभाल एवं सुरक्षा करने के संबंध में एक दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। जनपद पंचायत बड़वारा की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री प्रभा तेकाम ने हितग्राहियों से संवाद करते हुए

पौधों को सुरक्षित रखने एवं पौधों से होने वाले लाभों के संबंध में आवश्यक जानकारी देते हुए जरूरी निर्देश दिए। वहीं अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी डॉ अजीत सिंह ने एक बगिया मां के नाम योजना के उद्देश्यों एवं फायदों तथा शासन के निर्देशों के संबंध में हितग्राहियों को अवगत कराया। प्रदान



संस्था से विशाल कुमार एवं संगीता ने पीपीटी के द्वारा गहन पहलुओं से अवगत कराया। तकनीकी मार्गदर्शन सहायक यंत्री ने दिया। कार्यशाला में उपयंत्री, ग्राम पंचायत सचिव और ग्राम रोजगार सहायक भी मौजूद रहे।

15
AUGUST
→ 2026 ←

स्वतंत्रता संग्राम के वीरों को
शत-शत नमन



15th अगस्त
2026

स्वतंत्रता दिवस

की हार्दिक
शुभकामनाएं!



एक देश
एक सपने
एक पहचान
हमारा भारत

राजजीत टाइम्स

साप्ताहिक अखबार

जय हिन्द! वन्दे मातरम्!

गॉल में भारत का रिकॉर्ड

1982 से 2022 के बीच 46 मैच खेले, भारत को 22 में जीत मिली है



नई दिल्ली। श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट में भारत का रिकॉर्ड शानदार है। दोनों देशों के बीच 1982 से 2022 के बीच 46 मैच खेले गए। भारत को 22 में जीत मिली है और 7 में हार का सामना करना पड़ा। 17

मैच ड्रॉ रहे हैं। श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट में भारतीय टीम 11 साल से अजेय है। 2015 में उसे 63 रन से हार मिली थी। यह मैच गॉल में ही खेला गया था, जहां भारत-श्रीलंका के बीच 15 अगस्त से पहला मैच खेला जाएगा।

केएल राहुल उस मैच का हिस्सा थे और उनका बल्ला नहीं चला था। पहली पारी में 7 और दूसरी पारी में 4 रन बनाकर आउट हो गए। शिखर धवन और विराट कोहली ने पहली पारी में शतक जड़े थे।

श्रीलंका से आखिरी बार यहीं टेस्ट गंवाया, केएल राहुल थे हिस्सा



2015 गॉल टेस्ट के बाद भारत का दबदबा

इस मैच के बाद से भारत और श्रीलंका के बीच 10 मैच हुए हैं। भारतीय टीम 8 मैच जीती है और 2 मैच ड्रॉ रहे हैं। एक मैच गॉल में भी हुआ है, जिसमें भारत ने 2017 में 304 रनों से जीत दर्ज की थी। भारत ने गॉल में 5 मैच खेले हैं। 12 में जीत मिली है और 3 में हार का सामना करना पड़ा है।

घुटने की चोट के कारण

सिनसिनाटी ओपन से हटे यानिक सिनर



जताई, लेकिन साथ ही कहा कि उनका अभी पूरा ध्यान ठीक होने पर है ताकि वे यूएस ओपन के लिए तैयार हो सकें। 'सिनसिनाटी में न खेल पाने से मैं बहुत निराश हूँ। मैं अगले साल वापसी करने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूँ और अब मेरा ध्यान यूएस ओपन के लिए तैयार होने पर है।'

उनके घुटने से सिनसिनाटी में टेनिस टूर्नामेंट की लाइन-अप और कमजोर हो गई है, क्योंकि यूएस ओपन चैंपियन कार्लोस अल्काराज पहले ही कलाई की चोट के कारण बाहर हो चुके हैं। सिनर के न खेलने का मतलब है कि दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी को इस महीने के आखिर में होने वाले यूएस ओपन से पहले हार्ड कोर्ट पर मुकाबले की तैयारी के लिए बहुत कम मौके मिलेंगे। इसके अलावा, उनका यह फैसला बताता है कि सीजन के मुश्किल शुरुआती हिस्से के बाद घुटने की समस्या से निपटने के लिए सावधानी बरतना जरूरी है। सिनसिनाटी ओपन का मेन ड्रॉ 13 अगस्त से शुरू होगा, जबकि यूएस ओपन का मेन ड्रॉ 30 अगस्त से शुरू होगा। अब सिनर के पास साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम से पहले ठीक होने और पूरी तरह फिट होने के लिए दो हफ्ते से थोड़ा ज्यादा समय होगा।

नई दिल्ली। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर दाहिने घुटने की चोट के कारण सिनसिनाटी ओपन से हट गए हैं। टूर्नामेंट के आयोजकों ने पुष्टि की है कि इटली का यह स्टार टेनिस खिलाड़ी टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले पाएगा। इस महीने होने वाले यूएस ओपन की तैयारियों को देखते हुए इसे यानिक सिनर के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। 24 साल के इस खिलाड़ी ने साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम से पहले होने वाले एक और अहम हार्ड-कोर्ट टूर्नामेंट, कैनेडियन ओपन से भी अपना नाम वापस ले लिया था। पिछले महीने विंबलडन में अपना पांचवां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने

के बाद, उन्हें उम्मीद थी कि नॉर्थ अमेरिका का उनका दूर यूएस ओपन में अपने खिताब का बचाव करने से पहले उन्हें मजबूती देगा। सिनर ने एक बयान में कहा, 'अपने डॉक्टरों और अपनी टीम से सलाह लेने के बाद मुझे यह बताना पड़ रहा है कि मुझे सिनसिनाटी में मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट से हटना होगा। मेरे दाहिने घुटने में दिक्कत हो रही है और भले ही मेरी मेडिकल टीम के साथ हम कड़ी मेहनत कर रहे हैं, लेकिन मुझे यह मानना ??होगा कि मैं अभी खेलने के लिए तैयार नहीं हूँ।'

सिनर ने एक और बड़े टूर्नामेंट में हिस्सा न ले पाने पर निराशा

रोहित की छुट्टी

IPL खेल चुके खिलाड़ी को कमान, वनडे में नेपाल का बदला कप्तान

नई दिल्ली। नेपाल ने एशियन क्रिकेट काउंसिल के मेंस प्रीमियर कप से पहले वनडे क्रिकेट में कप्तान बदल दिया है। यह 50 ओवर का टूर्नामेंट 2027 एसीसी मेंस एशिया कप के लिए क्वालिफायर के तौर पर काम करता है। नेपाल ने इस टूर्नामेंट से पहले अनुभवी खिलाड़ी सदीप लामिछाने को रोहित पौडेल की जगह कप्तान बना दिया है। लामिछाने के पास इंडियन प्रीमियर लीग में भी खेलने का अनुभव है। 2018-2019 में दिल्ली डेयरडेविल्स (दिल्ली कैपिटल्स) का हिस्सा थे और 9 मैच खेले थे। उन्होंने 13 विकेट लिए थे। 26 साल के इस लेग स्पिनर ने वनडे में 77 मैच खेले हैं और 154 विकेट लिए हैं।

पौडेल की कप्तानी में निखरा नेपाल- 2022 में पौडेल के कप्तानी संभालने से पहले लामिछाने ने 14 वनडे मैचों में नेपाल की कप्तानी की थी। पौडेल ने अपने कार्यकाल में टीम को सफलता दिलाई। उन्होंने आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 में नेपाल को 12 में से 11 वनडे मैच जीताने में मदद की, जिससे टीम ने जून 2023 में जिम्बाब्वे में होने वाले वर्ल्ड कप क्वालिफायर में जगह बनाई।

लामिछाने की उपलब्धियां पौडेल ने बैटिंग ऑर्डर में एक भरोसेमंद और अहम खिलाड़ी की भूमिका निभाई। लामिछाने के नाम उपलब्धियां दर्ज हैं। वह वनडे में सबसे तेज 150 विकेट लेने वाले नेपाली खिलाड़ी हैं। वह टी20 इंटरनेशनल में 100 विकेट लेने वाले नेपाल के पहले खिलाड़ी हैं।

अफगानिस्तान वनडे वर्ल्ड 2027 के लिए क्वालिफाई

- आयरलैंड को तीसरे वनडे में 3 विकेट से हराया, राशिद खान प्लेयर ऑफ द मैच



नई दिल्ली। अफगानिस्तान ने तीसरे वनडे में आयरलैंड को 3 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ टीम ने अफगानिस्तान ने 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए सीधे क्वालिफाई कर लिया। बेलफास्ट में सोमवार को अफगानिस्तान ने गेंदबाजी चुनी। उसने आयरलैंड को 46.3 ओवर में 206 रन पर ऑलआउट कर दिया। फिर 44.5 ओवर में 7 विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया। राशिद खान ने नाबाद 37 रन की पारी खेली। उन्होंने 3 विकेट भी झटके।

राशिद और यामिन ने जीत दिलाई

अफगानिस्तान ने एक समय 176 रन पर 7 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद राशिद खान ने नाबाद 37 रन बनाए। उन्होंने 43 गेंदों की पारी में 4 चौके लगाए। राशिद ने यामिन अहमदजई के साथ मिलकर टीम को जीत दिलाई। यामिन अहमदजई 26 गेंदों पर 4 रन बनाकर नाबाद रहे। दोनों ने अफगानिस्तान को 44.5 ओवर में लक्ष्य तक पहुंचा दिया।

अफगानिस्तान कैसे क्वालिफाई हुआ

अफगानिस्तान इस समय वनडे रैंकिंग में 8वें नंबर पर है। उसने आयरलैंड पर लगातार दूसरी जीत हासिल की है। इसके सहारे टीम 30 सितंबर 2026 तक वनडे रैंकिंग में खुद को टॉप-8 में कायम रख सकेगी। जोकि वनडे वर्ल्डकप क्वालिफिकेशन की कटऑफ डेट है।

चेहरे पर आएगा ऐसा निखार कि सब पूछेंगे राज

लाइफस्टाइल डेस्क, नई दिल्ली। गुलाब का फूल केवल प्यार का इजहार करने या पूजा पाठ में इस्तेमाल नहीं होता, यह सदियों से स्किनकेयर का हिस्सा रहा है। आपने गुलाब की पंखुड़ियों से बने

गुलाब जल को तो बहुत बार लगाया होगा, लेकिन इस बार हम आपके लिए इन्हीं पंखुड़ियों से बने फेस पैक बनाने की जानकारी लेकर आए हैं। अगर आप बिना किस केमिकल प्रोडक्ट के नेचुरली चेहरे पर

निखार लाना चाहती हैं तो गुलाब का यह फेस पैक असरदार साबित हो सकता है।

गुलाब की पंखुड़ियों से बना फेस पैक - कता है। आइए इसे लगाने का तरीका: फेस पैक को लगाने

से पहले चेहरे को साफ पानी से धो लेना है। अब पैक को उंगलियों या फिर ब्रश की मदद से चेहरे और गर्दन पर अप्लाई करें। इसे लगाने के बाद कम से कम 20 मिनट तक सूखने का इंतजार करें।

दिल्ली में मानसून की 'सरप्लस' मेहरबानी, सामान्य से 27% ज्यादा बारिश से बना रिकॉर्ड; आगे कैसा रहेगा मौसम?

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में मानसून इस बार अब तक सामान्य से अधिक सक्रिय दर्ज किया गया है। 1 जून से 9 अगस्त के बीच दिल्ली में 393.4 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जो इस अवधि की सामान्य 309.5 मिलीमीटर बारिश से 27 प्रतिशत अधिक है।

इसके साथ ही दिल्ली के किसी भी जिले में अब बारिश की कमी नहीं है। चार जिले सामान्य से अधिक बारिश की श्रेणी में पहुंच गए हैं। मानसून के रिकॉर्ड के बीच मंगलवार की सुबह एनसीआर में बदली छाने के साथ हुई। हालांकि, उमस ने थोड़ा परेशान कर रखा है।

दिल्ली में अगस्त की पूरी सामान्य बारिश 233.1 मिलीमीटर मानी जाती है। यह आंकड़ा भी 10 अगस्त को पार हो गया। सफदरजंग स्थित मौसम विभाग के आधार स्टेशन पर सुबह 8:30 बजे से शाम 5:30 बजे के बीच 4 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। इसके बाद अगस्त में अब तक कुल 234.5 मिलीमीटर बारिश हो चुकी है। इस साल मानसून की शुरुआत में दिल्ली बारिश

की कमी वाले क्षेत्र में थी। जून में बारिश सामान्य से कम रही, जबकि जुलाई में स्थिति सामान्य हो गई। अगस्त के शुरुआती दिनों में लगातार पांच दिन हुई तेज बारिश ने दिल्ली को अतिरिक्त बारिश वाले क्षेत्र में पहुंचा दिया।

मध्य दिल्ली में सबसे ज्यादा बारिश

भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली के जिलों में मध्य दिल्ली में सबसे अधिक बारिश हुई है। यहां 1 जून से 9 अगस्त के बीच 528.6 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जो सामान्य 381.2 मिलीमीटर से 39 प्रतिशत अधिक है। पश्चिमी दिल्ली में 434.3 मिलीमीटर बारिश हुई, जो सामान्य 342.7 मिलीमीटर के मुकाबले 27 प्रतिशत अधिक है। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली और पूर्वी दिल्ली में भी क्रमशः 26 और 23 प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की गई। पांच जिले सामान्य बारिश की श्रेणी में हैं। इनमें दक्षिण दिल्ली,

दक्षिण-पश्चिम दिल्ली, नई दिल्ली, उत्तर-पूर्व दिल्ली और उत्तर-पश्चिम दिल्ली

आईएमडी के मुताबिक, बारिश को सामान्य से 19 प्रतिशत तक कम या



शामिल हैं। नई दिल्ली में सामान्य से 7 प्रतिशत अधिक बारिश हुई है। वहीं, प्रेस में जाने तक उत्तर दिल्ली का आंकड़ा उपलब्ध नहीं था।

अधिक होने पर सामान्य श्रेणी में रखा जाता है। 20 से 59 प्रतिशत अधिक बारिश को अतिरिक्त और 60 प्रतिशत या उससे अधिक बारिश को अत्यधिक अतिरिक्त

माना जाता है। वहीं, सामान्य से 19 प्रतिशत से अधिक कमी होने पर इसे कमी वाली श्रेणी में रखा जाता है।

इस मानसून सीजन में दिल्ली में अब तक तीन दिन भारी बारिश दर्ज की गई है। आईएमडी के अनुसार 24 घंटे में 65.5 मिलीमीटर या उससे अधिक बारिश होने पर उसे भारी बारिश माना जाता है। दिल्ली में 9 जुलाई, 29 जुलाई और 8 अगस्त को ऐसी बारिश हुई। 8 अगस्त सीजन का सबसे भारी बारिश वाला दिन रहा, जब दिल्ली के कई इलाकों में 100 मिलीमीटर से अधिक बारिश दर्ज की गई। इससे पहले 9 जुलाई को सीजन की पहली व्यापक और तेज बारिश हुई थी। दिल्ली में जहां मानसून ने सामान्य से अधिक बारिश कराई है, वहीं उत्तर-पश्चिम भारत में स्थिति इसके उलट है। 1 जून से 9 अगस्त के बीच इस क्षेत्र में 313.6 मिलीमीटर बारिश हुई, जो सामान्य से 11 प्रतिशत कम है। उत्तर-पश्चिम भारत के 9 उप-विभागों में पंजाब, पूर्वी उत्तर प्रदेश और पूर्वी राजस्थान में बारिश की कमी सबसे ज्यादा रही।

हम अकेले बोझ नहीं उठाएंगे: चीन के बढ़ते दबदबे का असर, एशिया को भी बेसहारा छोड़ रहा अमेरिका

मनीला, एजेंसी। पेंटागन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने एशिया में अपने सहयोगी देशों से रक्षा क्षेत्र में अधिक निवेश करने की अपील की है। उन्होंने ये भी कहा कि अमेरिका अपने सहयोगी देशों के साथ साझेदार के रूप में काम करना चाहता है न कि संरक्षित देशों के रूप में। अमेरिकी अधिकारी के इस बड़े बयान के बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि क्या यूरोप की तरह अब अमेरिका एशिया में भी अपनी मौजूदगी को सीमित करने पर विचार कर रहा है गौरतलब बात ये है कि ये बयान ऐसे समय सामने आया है, जब चीन एशिया में अपना दबदबा लगातार बढ़ा रहा है और उसका कई एशियाई देशों के साथ समुद्री सीमा को लेकर विवाद चल रहा है। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन में अंडर सेक्रेटरी एलिज्बेथ कोल्बी ने फिलीपींस में एक कार्यक्रम के दौरान

यह टिप्पणी की। कोल्बी इन दिनों दक्षिण-पूर्व एशिया के दौरे पर हैं और अपने पहले पड़ाव पर वह फिलीपींस



पहुंचे हैं। इसके बाद वह इंडोनेशिया, थाईलैंड और कंबोडिया का दौरा करेंगे। कोल्बी ने यह भी दोहराया कि ईरान युद्ध और मध्य पूर्व में मौजूदा अमेरिकी व्यस्तताओं के बावजूद वाशिंगटन एशिया से पीछे नहीं हट रहा है।

कोल्बी ने विदेशी राजनयिकों, सैन्य अधिकारियों, कारोबारियों और पत्रकारों की मौजूदगी वाले कार्यक्रम में कहा,

‘अमेरिका बेशक एशिया से पीछे नहीं हट रहा है और हमारे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय हित यहां हमारी स्थायी मौजूदगी की मांग करते हैं। हम जा नहीं रहे हैं, बल्कि हम यहां अपनी स्थिति और मजबूत कर रहे हैं, ताकि शक्ति संतुलन हमारे अनुकूल

बना रहे। हम एशिया को बेहद अहम क्षेत्र मानते हैं।’

चीन की आलोचना से किया परहेज कोल्बी ने क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामकता को लेकर अमेरिका की ओर से आमतौर पर की जाने वाली तीखी आलोचना से परहेज किया। इसमें विवादित दक्षिण चीन सागर में चीन की गतिविधियां भी शामिल हैं। वाशिंगटन पिछले कुछ वर्षों में फिलीपींस के तटरक्षक और नौसैनिक बलों के खिलाफ बीजिंग की बढ़ती आक्रामक कार्रवाइयों पर बार-बार चिंता जताता रहा है। चीन और फिलीपींस के साथ-साथ वियतनाम, मलेशिया, ब्रुनई और ताइवान दशकों से विवादित जलक्षेत्र को लेकर आमने-सामने हैं। यह जलमार्ग वैश्विक व्यापार के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। बीजिंग लगभग पूरे दक्षिण चीन सागर पर अपना दावा करता है।

कोलंबिया में भीषण भूकंप से तबाही: अब तक 111 लोगों की मौत; कई लोग मलबे में फंसे

कोलंबिया, एजेंसी। कोलंबिया में शक्तिशाली भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। यूरोपीय-भूमध्यसागरीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, भूकंप की प्रारंभिक तीव्रता 7.4 थी और इसका केंद्र 115 किलोमीटर की गहराई में था। भूकंप के झटके राजधानी बोगोटा समेत कई इलाकों में महसूस किए गए। जिसके झटके पड़ोसी देश इक्वाडोर तक महसूस किए गए। वैज्ञानिकों के मुताबिक भूकंप का केंद्र चोको का ग्रामीण क्षेत्र रहा। भूकंप के बाद लोगों में अफरा-तफरी मच गई और कई लोग अपने घरों व इमारतों से बाहर निकल आए। ताजा जानकारी के अनुसार, भूकंप की चपेट में आने से अब तक 111 लोगों की मौत हुई है, जबकि कई अन्य लोगों के इमारतों के मलबे के नीचे फंसे होने की आशंका है। भूकंप के झटके राजधानी बोगोटा तक महसूस किए गए, जिसके बाद कई लोगों को अपने घर खाली करने पड़े। देश में राष्ट्रपति अबेलार्डो डे ला एस्प्रीला ने आपातकाल की घोषणा कर दी है। इस एलान के बाद भूकंप से हुए नुकसान की भरपाई के लिए फंड इकट्ठा करने और देश के भीतर ही धन की व्यवस्था में तेजी लाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि वह आपदाग्रस्त क्षेत्र का दौरा भी करेंगे। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, पेरेइरा शहर में 18 लोगों की मौत हुई है, जबकि मनीजालेस में दो लोगों की जान गई। पश्चिमी कोलंबिया के कई शहरों में इमारतें ढहने के बाद लोग मलबे को हटाकर उसमें फंसे लोगों की तलाश कर रहे हैं। अधिकारियों ने आपटरशॉक्स की आशंका को देखते हुए भी लोगों को सतर्क रहने को कहा है। कोलंबिया के तीसरे सबसे बड़े शहर कैली में भूकंप के बाद कई जगह धूल के गुबार उड़ते दिखाई दिए।

रूस ने दिया भारत के साथ सीधे रेल मार्ग का प्रस्ताव

मास्को, एजेंसी। रूस की तरफ से भारत को सीधा रेल रूट के जरिए जोड़ने पर चर्चाएं तेज हो गई हैं। हाल ही में रूस के उप-प्रधानमंत्री मरात खुसनुलिन ने दोनों देशों के बीच एक संभावित रेल लिंक खड़ा करने पर गहराई से विचार की बात कही। उन्होंने इसके लिए विकल्प के तौर पर संभावित कुछ मार्ग भी सुझाए हैं।

मजेदार बात यह है कि रूस और भारत के बीच एक सीधा रेल मार्ग खड़ा करने की यह चर्चाएं कोई नई नहीं हैं। इससे पहले भी दोनों देश व्यापार के लिए रेल आधारित मार्ग बनाने पर बात कर चुके हैं। व्यापार का कुछ हिस्सा रेल मार्ग के जरिए आता-जाता भी है, हालांकि यह मार्ग फिलहाल सीमित है और दोनों देशों के अंदर तक ही स्थित है, न कि अंतर्देशीय है।

ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर रूस की तरफ से भारत के साथ रेल मार्ग स्थापित करने के लिए हाल ही में क्या बयान दिया गया है मौजूदा समय में दोनों देशों के बीच व्यापार का क्या रूट है जिस नए रेल मार्ग की बात की जा रही है, उसका संभावित रूट क्या हो सकता है इसकी जरूरत क्यों महसूस की जा रही है और इस मार्ग को लेकर चर्चाओं का इतिहास



क्या रहा है आइये जानते हैं... रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पहले ही बाल्टिक और बैरेंट्स सागर से लेकर सीधे हिंद महासागर तक एक सीधे रेलवे कॉरिडोर को स्थापित करने की विशाल बुनियादी ढांचा योजना की घोषणा कर चुके हैं। रूस के अधिकारियों के मुताबिक, घोषित प्रोजेक्ट का मकसद आधुनिक लॉजिस्टिक्स नेटवर्क तैयार करना है जो मिश्र के पास वाले रास्ते-स्वेज नहर की तुलना में शिपिंग समय को लगभग आधा कर देगा और माल ढुलाई के खर्च को काफी कम करेगा। ताजा बयान रूस उप-प्रधानमंत्री मरात खुसनुलिन का है, जिन्होंने बीते हफ्ते भारत तक

एक सीधे रेल मार्ग के प्रस्ताव को व्यावहारिक बताया और कहा है कि इस रेल लिंक की संभावनाओं को तलाश जाना चाहिए। रूसी सरकार ने इस जमीन-आधारित रेल कॉरिडोर के लिए एक संभावित मार्ग भी साझा किया है। यह दोनों देशों के बीच व्यापार का सबसे स्थापित और पुराना समुद्री मार्ग है। इसमें मालवाहक जहाज रूस के सेंट पीटर्सबर्ग से निकल कर बोस्फोरस जलडमरूमध्य, भूमध्य सागर (मेडिटरेनियन सागर), स्वेज नहर और लाल सागर से होते हुए मुंबई या भारत के अन्य पश्चिमी बंदरगाहों तक पहुंचते हैं। इस मार्ग से सफर पूरा होने में सामान्यतः 40 से 45 दिन या

कुछ परिस्थितियों में 45 से 60 दिन का समय लगता है। यह समुद्र, रेल और सड़क मार्गों का एक संयुक्त मल्टीमॉडल नेटवर्क है। इसके तहत भारत के मुंबई से माल जहाजों द्वारा ईरान के बंदर अब्बास या चाबहार बंदरगाह तक भेजा जाता है। वहां से ईरान के रेल/सड़क मार्ग और कैस्पियन सागर के रास्ते माल को रूस के मॉस्को या सेंट पीटर्सबर्ग पहुंचाया जाता है। यह मार्ग भारत के पूर्वी तट (खासकर चेन्नई) को रूस के सुदूर पूर्व में स्थित व्लादिवोस्तोक बंदरगाह से सीधे जोड़ता है। यह मार्ग स्वेज नहर के चक्करदार रास्ते को पूरी तरह बायपास करता है, जिससे समुद्री यात्रा का समय लगभग 18 से 20 दिन रह जाता है, जो कि पारंपरिक पश्चिमी मार्ग से लगभग 40 दिन का रहता है। हालांकि, इस मार्ग का इस्तेमाल भी सीमित व्यापार के लिए ही होता है। फिलहाल इसे कार्गो परिवहन के लिए बेहतर बनाए जाने की कोशिशें जारी हैं, ताकि व्यापार को और बढ़ाया जा सके। रूस अपने नए ट्रांस-आर्कटिक ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर (टीएटीसी) के तहत इस आर्कटिक समुद्री मार्ग को तेजी से विकसित कर रहा है। भारत ने भी इस मार्ग में जबरदस्त रुचि दिखाई है।

सर्जनों को रिश्तत देने के मामले में भारतीय मूल के सीएफओ को जेल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की एक संघीय अदालत ने स्पाइनल इन्फ्लॉट कंपनी के भारतीय मूल के मुख्य वित्तीय अधिकारी को सर्जनों को रिश्तत देने के मामले में चार महीने जेल की सजा सुनाई है। दरअसल सीएफओ ने कंपनी के उत्पादों का इस्तेमाल करने के लिए सर्जनों को रिश्तत देने की कोशिश की। अधिकारियों ने बताया कि सर्जनों को यह रिश्तत फर्जी परामर्श शुल्क के रूप में दी गई थी। जेल की सजा पूरी करने के बाद कैम्ब्रिज निवासी 41 वर्षीय आदित्य हुमाड को एक साल तक निगरानी में रहना होगा और उन पर 9,500 अमेरिकी डॉलर का जुर्माना भी लगाया गया है। हुमाड ने एंटी-किकबैक कानून के उल्लंघन की साजिश रचने के आरोप में अपना अपराध स्वीकार कर लिया था। हुमाड पर सितंबर 2021 में स्पाइन फ्रॉटियर नामक कंपनी के संस्थापक, अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी किंगसले आर. चिन के साथ आरोप लगाए गए थे।